Hindi (Hons.)

हिंदी प्रतिष्ठा : द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए

तृतीय प्रश्नपत्र

आधुनिक काव्य

समय- 3 घंटे

पूर्णांक-100

अंक विभाजन :

अंक	प्रश्न	
1	10	वस्तुनिष्ठ प्रश्न
7	3	व्याख्यामूलक प्रश्न
6	4	लघूत्तरीय प्रश्न
15	3	आलोचनात्मक प्रश्न

हरिऔध - ~~प्रिय प्रवास- अंतिम सर्ग~~

प्रसाद - झरना, मधुप गुनगुनाकर, ले चल वहां भुलावा देकर, हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, आँसू -जो घनीभूत पीड़ा.....चिर सुंदर

निराला - जुही की कली, स ंध्या सुंदरी, रोजे ने अपनी....., जागो फिर एक बार-2, तोड़ती पत्थर ।

15

एकांकी-

स्ट्राइक-भुवनेश्वर

बहुत बड़ा सवाल-मोहन राकेश

चारुमित्रा-रामकुमार वर्मा

संस्कार और भावना-विष्णु प्रभाकर

तृतीय वर्ष

सप्तम प्रश्नपत्र : काव्यशास्त्र एवं आलोचना

समय- 3 घंटे

पूर्णांक-100

अंक विभाजन :

अंक	प्रश्न	
1	20	वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5	4	लघूत्तरीय प्रश्न
15	4	आलोचनात्मक प्रश्न

काव्यशास्त्र :

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रकार, काव्य प्रयोजन, रस के अवयव, रस के विभिन्न भेद, साधारणीकरण

छंद - दोहा, रोला, छप्पय, कुंडलिया, सोरठा, मनहरण

अलंकार- उपमा, अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, भ्रांतिमान

प्लेटो एवं अरस्तू के काव्य सिद्धांत

आलोचना-

भारतेंदुकालीन आलोचना

द्विवेदी युगीन आलोचना

शुक्लयुगीन आलोचना

शुक्लोत्तरयुगीन आलोचना

संदर्भ ग्रंथ

प्रथम पत्र

(1) हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल

पंचम प्रश्नपत्र
आधुनिक काव्य

समय- 2 घंटे

अंक विभाजन : पूर्णांक-50

5x1 = 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न
3x5 = 15 व्याख्यामूलक प्रश्न
2x15 = 30 आलोचनात्मक प्रश्न

- प्रसाद-वे कुछ दिन कितने सुंदर थे, जाग री
- पंत-पावस में पर्वत, परिवर्तन
- निराला-जागो फिर एक बार-१, भिक्षुक
- महादेवी-जाग तुझको दूर जाना, आँखों के आँसू उजले
- दिनकर-तुम क्यों लिखते हो, रोटी और स्वाधीनता
- अज्ञेय-कतकी पूनो, सोन मछली
- नागार्जुन-घिन तो नहीं आती, पछाड़ दिया ....

षष्ठ प्रश्नपत्र
निबंध और एकांकी

समय- 2 घंटे पूर्णांक- 50

अंक विभाजन :

5x1 = 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न
3x5 = 15 व्याख्यामूलक प्रश्न
2x15 = 30 आलोचनात्मक प्रश्न

निबंध-

उत्साह-रामचन्द्र शुक्ल
दो फूल-महादेवी वर्मा
मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है-हजारीप्रसाद द्विवेदी
घृणा की ईमानदारी-मुक्तिबोध
राजनीति का बँटवारा-हरिशंकर परसाई
आँगन का पंछी-विद्यानिवास मिश्र

यशपाल - फूलों का कुर्ता
कृष्णा सोबती - सिक्का बदल गया
मन्नू मंडारी - अकेली

उपन्यास :

भीष्म साहनी - तमस

Hindi (General)

द्वितीय वर्ष

चतुर्थ प्रश्नपत्र : हिंदी भाषा का विकास एवं साहित्य की विधाएँ

समय- 2 घंटे पूर्णांक-50

अंक विभाजन :

5x1 = 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न
3x5 = 15 लघूत्तरीय प्रश्न
2x15 = 30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

I. हिंदी भाषा का इतिहास :

(क) हिंदी भाषा: उद्भव एवं विकास
(ख) हिंदी शब्द की व्युत्पत्ति
(ग) खड़ी बोली का विकास
(घ) हिंदी का प्रमुख बोलियाँ
(ङ) पूर्वी एवं पश्चिमी हिंदी का ध्वनिगत और रूपगत अंतर

II. गद्य रूप :

निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी, आलोचना, एकांकी, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज के विकास का परिचय

बलचनमा	:	नागार्जुन
आषका बंटी	:	मन्नू भंडारी

कहानी :

ज़िंदगी और जोंक	:	अमरकांत
परिंदे	:	निर्मल वर्मा
एक और ज़िंदगी	:	मोहन राकेश
राजा निरबंसिया	:	कमलेश्वर
पिता	:	ज्ञानरंजन
करवा का व्रत	:	यशपाल
जलडमरू मध्य	:	अखिलेश

अष्टम प्रश्नपत्र (विशेष अध्ययन)
जनसंचार माध्यम और मीडिया लेखन

समय- 3 घंटे पूर्णांक-100

अंक विभाजन :

अंक	प्रश्न	
1	10	वस्तुनिष्ठ प्रश्न
7	3	व्याख्यामूलक प्रश्न
6	4	लघूत्तरीय प्रश्न
15	3	आलोचनात्मक प्रश्न

1. संचार से तात्पर्य; संचार के परंपरागत और आधुनिक माध्यम; जनसंचार माध्यम और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियां।
2. समाचार पत्र, लघु पत्रिका, रेडियो, सिनेमा, दूरदर्शन, इंटरनेट माध्यमों का महत्त्व।
3. दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य-श्रव्य संचार माध्यमों की भाषिक विशेषताएं।
4. जनसंचार माध्यम और समाज; मीड़िया, साहित्य और संस्कृति।
5. समाचार-लेखन, फीचर-लेखन, विज्ञापन-लेखन, संपादकीय लेखन, रिपोर्ताज-लेखन-अर्थ एवं प्रविधि, रेडियो वार्ता लेखन, दूरदर्शन वार्ता लेखन-के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य।
6. संचालन-कला एवं साक्षात्कार-कला : सिद्धांत एवं व्यवहार

अष्टम प्रश्नपत्र

कथा साहित्य का विशेष अध्ययन

समय- 3 घंटे

पूर्णांक-100

अंक विभाजन :

अंक	प्रश्न	
1	10	वस्तुनिष्ठ प्रश्न
7	3	व्याख्यामूलक प्रश्न
6	4	लघूत्तरीय प्रश्न
15	3	आलोचनात्मक प्रश्न

उपन्यास :

- प्रेमाश्रम : मुंशी प्रेमचंद
- झूठा सच : भाग 1, 2 : यशपाल
- राग दरबारी : श्रीलाल शुक्ल

सप्तम प्रश्नपत्र

भाषा विज्ञान, भाषा संरचना और प्रयोजनमूलक हिंदी

समय- 3 घंटे

पूर्णांक-100

अंक विभाजन :

अंक	प्रश्न	
1	10	वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5	6	लघूत्तरीय प्रश्न
15	4	आलोचनात्मक प्रश्न

1. क. भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा की परिवर्तनशीलता ।

ख. भाषा विज्ञान की परिभाषा, प्रयोजनीयता और अध्ययन की विभिन्न पद्धतियों का सामान्य परिचय ।

ग. ध्वनि विज्ञान : ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि उच्चारण के अवयव, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ ।

2. क. हिंदी शब्द रचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समास ।
रूप रचना : लिंग, वचन एवं कारक व्यवस्था के संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया रूप, शुद्ध वाक्य रचना ।

ख. वर्तनी का मानकीकरण, मानक हिंदी-अशुद्धि शोधन

II. **प्रयोजनमूलक हिंदी**

क. प्रयोजनमूलक हिंदी का अभिप्राय, इसकी उपयोगिता एवं प्रयोगात्मक क्षेत्र ।

ख. हिंदी के विभिन्न रूप-बोलचाल की भाषा, सृजनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा और संचार भाषा ।

(ग) राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति - राजभाषा अधिनियम- 1963
राजभाषा अधिनियम - 1967
राजभाषा संकल्प - 1968

(घ) प्रशासनिक पत्राचार और उसके प्रकार-ज्ञापन, परिपत्र, अधिसूचना, टिप्पण, अनुस्मारक

(ङ) हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयी अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद, अनुवाद की समस्याएँ ।

(च) प्रशासन, व्यवसाय, वाणिज्य एवं संचार माध्यम संबंधी शब्दावली-200 शब्द ।

4. कलम का सिपाही : अमृतराय
5. संस्कृति ओर जातीयता : रामविलास शर्मा

षष्ठ प्रश्नपत्र
काव्यशास्त्र

समय- 3 घंटे पूर्णांक-100

अंक विभाजन :

अंक	प्रश्न	
1	10	वस्तुनिष्ठ प्रश्न
5	6	लघूत्तरीय प्रश्न
15	4	आलोचनात्मक प्रश्न

काव्य शास्त्र :

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार, काव्य गुण एवं काव्य दोष, रस, रस के अवयव, साधारणीकरण, रस सिद्धांत, अलंकार, ध्वनि, वक्रोक्ति संप्रदाय ।

छन्द :

दोहा, रोला, सोरठा, चौपाई, कवित्त, सवैया, मालिनी, मंदाक्रांता, हरिगीतिका, मनहरण ।

अंलकार :

यमक, श्लेष, अनुप्रास उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान, संदेह, वक्रोक्ति । मिथक, फैंटेसी, बिंब, प्रतीक का सामान्य परिचय ।

आधुनिक साहित्य सिद्धांत - आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, मनोविश्लेषणवाद, उत्तर आधुनिकतावाद ।

अरस्तू, वर्ड्स्वर्थ, क्रौचे, इलियट, रिचर्ड्स के काव्य सिद्धांत ।

6. उषा प्रियंवदा - मछलियाँ
7. मन्नू भंडारी - त्रिशंकु
8. रेणु - रसप्रिया
9. अमरकांत - डिप्टी कलक्टरी
10. उदय प्रकाश - टेप्चू

उपन्यास

1. कर्मभूमि - प्रेमचंद
2. मैला आंचल - फणीश्वरनाथ रेणु
3. जूठन - ओमप्रकाश वाल्मीकि

पंचम प्रश्नपत्र : तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए
नाटक, एकांकी और निबंध

समय- 3 घंटे पूर्णांक-100

अंक विभाजन :

अंक	प्रश्न	
1	10	वस्तुनिष्ठ प्रश्न
7	3	व्याख्यामूलक प्रश्न
6	4	लघूत्तरीय प्रश्न
15	3	आलोचनात्मक प्रश्न

नाटक :

1. औरंगजेब की आखिरी रात - रामकुमार वर्मा
2. तीसरा आदमी : विष्णु प्रभाकर
3. अंडे के छिलके : मोहन राकेश
4. औरत : सफ़दर हाशमी

निबंध :

1. काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. प्रथम भेंट अंतिम भेंट : महादेवी
3. सागर कन्या और खग शावक : अज्ञेय

महादेवी - विरह का जलजात, हे चिर महान्, कह दे माँ अब क्या देखूँ, पंथ होने दो अपरिचित, मधुर-मधुर मेरे दीपक।

अज्ञेय - कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, सांप, नदी के द्वीप

मुक्तिबोध - चाँद का मुँह....., मैं तुम लोगों से दूर हूं, भूल-गलती।

नागार्जुन - बादल को घिरते देखा है, प्रतिबद्ध हूँ, अकाल और उसके बाद, नेवला।

धूमिल - मोचीराम, पटकथा।

सर्वेश्वर - भेड़िया- 1, 2, 3 खिड़की।

दुतपाठ एवं लघूत्तरी प्रश्नों के लिए :

सुभद्रा कुमारी चौहान,
रघुवीर सहाय,
दुष्यंत कुमार
शमशेर।

चतुर्थ प्रश्नपत्र
कथा साहित्य

पूर्णांक-100

समय- 3 घंटे

अंक विभाजन :

अंक	प्रश्न	
1	10	वस्तुनिष्ठ प्रश्न
7	3	व्याख्यामूलक प्रश्न
6	4	लघूत्तरीय प्रश्न
15	3	आलोचनात्मक प्रश्न

कहानी

1. प्रेमचंद - सौभाग्य के कोड़े
2. प्रसाद - मधुआ
3. यशपाल - परदा
4. जैनेन्द्र - मास्टरजी
5. अज्ञेय - हीलीबोन की वत्तखें

साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख रूप–काव्यानुवाद, कथानुवाद, नाटयानुवाद।

वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली का अनुवाद, मुहावरों/लोकोक्तियों का अनुवाद, संक्षिप्ताक्षरों तथा कूटपदों का अनुवाद, आंचलिक शब्दावली का अनुवाद, व्यंजनापरक लाक्षणिक पद प्रयोगों का अनुवाद।

हिंदी अनुवाद का भविष्य।

अथवा

SEC-2 Paper-II संभाषण कला

संभाषण का अर्थ। संभाषण के विभिन्न रूप–वार्तालाप, व्याख्यान, वाद विवाद, एकालाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन।

संभाषण कला के प्रमुख उपादान – यथेष्ट भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अंतराल ध्वनि (वाल्यूम), वेग, लहजा (एक्सेण्ट)

संभाषण कला के विभिन्न रूप, उदघोषणा कला (अनाउन्समेंट), आखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग), वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टी. वी.) मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग्य आदि)

वाद–विवाद प्रतियोगिता एवं समूह संवाद।

वृत्त चित्र की निर्माण पद्धति, फीचर। हिंदी में निर्मित विज्ञापन फिल्में (एड–फिल्में)।

हिंदी की विश्व व्याप्ति में फिल्मों की भूमिका।

6th Semester

DSE –6A हिंदी रेखाचित्र

शिवपूजन सहाय – महाकवि जयशंकर प्रसाद

बनारसीदास चतुर्वेदी – बाईस वर्ष बाद

हजारी प्रसाद द्विवेदी – एक कुत्ता और एक मैना

महादेवी वर्मा – गिल्लू

अथवा

DSE-6A हिंदी संस्मरण साहित्य

अज्ञेय – स्मरण का स्मृतिकार (राय कृष्णदास)

नगेन्द्र – दादा स्व. पं. बालकृष्ण शर्मा नवीन

माखनलाल चतुर्वेदी –तुम्हारी स्मृति

महादेवी वर्मा – निराला भाई

DSE-6B अन्य विषय से

GE-2 पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन और हिंदी साहित्य

- अभिव्यंजनावाद
- स्वच्छंदतावाद
- अस्तित्ववाद
- मनोविश्लेषणवाद
- मार्क्सवाद
- आधुनिकतावाद
- कल्पना, बिंब, फैंटसी
- मिथक एवं प्रतीक

SEC-2 Paper-II अनुवाद विज्ञान

अनुवाद का तात्पर्य, अनुवाद के विभिन्न प्रकार – भाषान्तरण, सारानुवाद तथा रूपान्तरण में साम्य – वैषम्य। अनुवाद के प्रमुख प्रकार–कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान–विज्ञानपरक, विधिक, वाणिज्यिक।

हिंदी वाक्य रचना, वाक्य एवं उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य का रूपान्तर। भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।

4th Semester

DSC-4A हिंदी गद्य साहित्य

उपन्यास : सुनीता – जैनेन्द्र कुमार

कहानी : आहुति – प्रेमचंद

वापसी – उषा प्रियंवदा

निबंध : लोभ और प्रीति – रामचंद्र शुक्ल

शिरीष के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी

नाटक : बकरी – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना।

DSC-4B अन्य विषय से

रहीम : रहिमन निजमन की व्यथा..., रहिमन धागा प्रेम का..., रहिमन पानी राखिए..., कदली सीप भुजंग मुख...।

बिहारी : जप माला छापा तिलक..., तंत्री नाद कवित्त–रस..., कहलाने एकत बसत..., कहत नटत रीझत।

आधुनिक कविता :

हिमाद्रि तुंग शृंग से (जयशंकर प्रसाद)

भिक्षुक (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला')

अकाल और उसके बाद (नागार्जुन)

एक पारिवारिक प्रश्न (केदारनाथ सिंह)

गद्य साहित्य : दो बैलों की कथा (प्रेमचंद)

पिल्लू (महादेवी वर्मा)

ठेस (फणीश्वर नाथ रेणु)

अधिकार का रक्षक (उपेन्द्रनाथ अश्क)

2nd Semester (Programme)

DSC-2A मध्यकालीन हिंदी कविता

1. कबीरदास – सतगुरु की महिमा अनंत, बिरहा–बिरहा जिनि कहौं, मेरा मुझमें कुछ नहीं, कबिरा खड़ा बजार में।
2. सूरदास – जा दिन मन पंछी उड़ि जैहैं, जसुमति दौरि लिए हरि कनियां।
3. तुलसीदास – राम–नाम मणि दीप, उत्तम मध्यम नीचगति, ज्ञान कहे अज्ञान बिनु, एक भरोसो एक बल।
4. मीराबाई – राणा जी अब न रहौंगी तेरी हटकी, मेरे तो गिरधर गोपाल
5. रसखान – मानुष हौं तो वही रसखान, या लकुटी अरु कामरिया।
6. बिहारी – बढ़त बढ़त संपति सलिल, बतरस लालच लाल की, कहलाने एकत बसत, दृग उरझत टूटत कुटुम्ब।
7. भूषण – ब्रह्म के आनन तें निकसे, जा पर साहि तनै।
8. घनानंद – पहिले अपनाय सुजान सनेह सौं, झलके अति सुन्दर आनन।

DSC-2B अन्य विषय से

(प्रत्येक कोर पत्र में लिखित परीक्षा के लिए 60 अंक, सतत् मूल्यांकन के लिए 10 अंक एवं कक्षा में उपस्थिति के लिए 5 अंक निर्धारित है।)

अथवा

604 B संपादन प्रक्रिया और साज–सज्जा

संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्त्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, सम्पादन–कला के सामान्य सिद्धांत।

समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक–लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और सम्पादन। सम्पादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका। प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।

सम्पादकीय लेखन : प्रमुख तत्त्व एवं प्रविधि। सम्पादकीय का सामाजिक प्रभाव।

समाचार पत्र एवं पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजना और उनका सम्पादन। साहित्य और कला जगत की सामग्री के सम्पादन की विशेषताएं। छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का सम्पादन।

वड्सवर्थ – काव्य भाषा का सिद्धांत।

टी. एस. एलियट – परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।

आई. ए. रिचर्डस – मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेषण सिद्धांत।

शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान।

आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, संरचनावाद।

DSE-603A छायावाद

जयशंकर प्रसाद – ये कुछ दिन, अरी वरुणा की शांत कछार, अब जागो जीवन के प्रभात

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – राजे ने, खुला आसमान, जय तुम्हारी

सुमित्रानंदन पंत – ताज, ग्राम देवता, परिवर्तन

महादेवी वर्मा – कौन तुम मेरे हृदय में, हे चिर महान, मैं नीर भरी दुख की बदली।

अथवा

603B हिंदी पत्रकारिता

पत्रकारिता: अर्थ, अवधारणा और महत्त्व

हिंदी पत्रकारिता के विभिन्न चरण – स्वतंत्रता पूर्व युग, स्वातंत्र्योत्तर युग : परिचय और प्रवृत्तियां

पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका

महत्त्वपूर्ण पत्र–पत्रिकाएं : बनारस अखबार, सरस्वती, कर्मवीर, हंस।

DSE-604A राष्ट्रीय काव्यधारा

मैथिलीशरण गुप्त – कैकेयी का अनुताप, हम कौन थे, प्रियतम तुम श्रुति पथ से

माखनलाल चतुर्वेदी – पुष्प की अभिलाषा, कैदी और कोकिला

बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' – कवि कुछ ऐसी तान, पराजित का गीत, हम अनिकेतन

रामधारी सिंह 'दिनकर' – विपथगा, हिमालय, दिल्ली

6th semester

DSC-CC 613 भारतीय काव्यशास्त्र

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन,काव्य के प्रकार।

रस सिद्धांत, रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण ।

ध्वनि सिद्धांत – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण।

अलंकार सिद्धांत – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण।

DSC-CC 614 पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्लेटो – काव्य सम्बंधी मान्यताएँ।

अरस्तू – अनुकृति एवं विरेचन।

लॉंजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा।

ख. कथासाहित्य : वस्तु, पात्र परिवेश और विमर्श

ग. नाट्यसाहित्य : वस्तु, पात्र परिवेश और रंगकर्म

घ. विविध गद्य–विद्याएं : निबंध, संस्मरण और व्यंग्य

ङ. बाल साहित्य की आधारभूत संरचना

सूचना तंत्र के लिये लेखन

प्रिंट माध्यम : फीचर लेखन, यात्रा वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक–समीक्षा

इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन

5th Semester

DSC-CC 511 हिंदी कहानी

उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी

पूस की रात : प्रेमचंद

आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद

पाजेब : जैनेन्द्र कुमार

तीसरी कसम : फणीश्वरनाथ 'रेणु'

मलबे का मालिक : मोहन राकेश

परिंदे : निर्मल वर्मा

ऐ लड़की : कृष्णा सोबती

DSC-CC 512 हिंदी उपन्यास

गबन – प्रेमचंद

त्यागपत्र – जैनेन्द्र कुमार

चित्रलेखा – भगवती चरण वर्मा

महाभोज – मन्नू भंडारी

आधुनिकतावाद
कल्पना, बिंब, फैंटसी
मिथक एवं प्रतीक

SEC-2 अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि

अनुवाद का अर्थ, स्वरूप और प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता और महत्त्व। बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।

अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। अनुवाद प्रक्रिया के तीन चरण –विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष–पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थांतरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया)

कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3(3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर) /ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/ कार्यालय आदेश/ अधिसूचना/संकल्प–प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/निविदा–संविदा/विज्ञापन।

पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धांत, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिंदी रूप।

अथवा

SEC-2 रचनात्मक लेखन

रचनात्मक लेखन : स्वरूप एवं सिद्धांत

भाषा एवं विचार की रचना में रूपान्तरण की प्रक्रिया

विविध अभिव्यक्ति–क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियां

जन भाषा और लोकप्रिय संस्कृति

लेखन के विविध रूप, : मौखिक–लिखित, गद्य–पद्य, कथात्मक–कथेतर, नाट्य–पाठ्य

रचनात्मक लेखन : रचना–कौशल–विश्लेषण

रचना–सौष्ठव : शब्द–शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वक्रताएं

विविध विद्याओं की आधारभूत रचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

क. कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा–सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक

और वह जो न सही	: विष्णु प्रभाकर
भोर का तारा	: जगदीश चंद्र माथुर

DSC-CC 409 हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं

रामचंद्र शुक्ल	: काव्य में लोकमंगल
हजारी प्रसाद द्विवेदी	: नाखून क्यों बढ़ते हैं
शिवपूजन सहाय	: महाकवि जयशंकर प्रसाद
रामवृक्ष बेनीपुरी	: रजिया
माखनलाल चतुर्वेदी	: तुम्हारी स्मृति
अज्ञेय	: सागर कन्या और खग–शावक
महादेवी वर्मा	: घर और बाहर – 1,2,3
हरिशंकर परसाई	: इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर

DSC-CC 410 हिंदी आलोचना

- हिंदी आलोचना की परम्परा और विकास। भारतेंदुयुगीन आलोचना– प्रवृत्तियां और प्रतिनिधि आलोचक।
- द्विवेदीयुगीन आलोचना – प्रवृत्तियां और प्रतिनिधि आलोचक।
- शुक्लयुगीन आलोचना – प्रवृत्तियां और प्रतिनिधि आलोचक।
- आलोचना दृष्टि : रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, अज्ञेय, मुक्तिबोध।

GE-2 Paper-II पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य

अभिव्यंजनावाद
स्वच्छंदतावाद
अस्तित्ववाद
मनोविश्लेषणवाद
मार्क्सवाद

– अन्य भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियां : व्याकरण–अनुवाद–विधि, प्रत्यक्ष विधि, मौखिक, वार्तालाप विधि, संरचनात्मक विधि, द्विभाषिक शिक्षण विधि।

- हिंदी शिक्षण :

  – हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण : स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, तकनीकी तथा विशिष्ट प्रयोजन संदर्भित शिक्षा।

  – द्वितीय भाषा के रूप में सजातीय और विजातीय भाषा वर्गों के संदर्भ में हिंदी शिक्षण

  – विदेशी भाषा के रूप में विदेशों में हिंदी शिक्षण।

अथवा

SEC-1 विज्ञापन : अवधारणा एवं स्वरूप

विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व। विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार, विचारधाराएं, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ। विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धांत।

विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन। विज्ञापन अभियान–योजना और कार्यान्वयन : स्थिति सम्बंधी विश्लेषण, रणनीति, ब्रैंड इमेज। उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान में माध्यम योजना (मीडिया प्लानिंग) की भूमिका।

विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम। विज्ञापन एजेंसी का प्रबंध। हिंदी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेंसियों का परिचय। विज्ञापन : कानून और आचार संहिता।

विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन। अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धांत और अभिविन्यास (ले आउट)।

4th Semester

DSC-CC 408 हिंदी नाटक एवं एकांकी

नाटक

अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चंद्र

चंद्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद

एकांकी

औरंगजेब की आखिरी रात : रामकुमार वर्मा

अधिकार का रक्षक : उपेन्द्रनाथ अश्क

रामनरेश त्रिपाठी – अस्तोदय की वीणा, पुष्प विकास

जयशंकर प्रसाद – आह! वेदना मिली विदाई, पेशोला की प्रतिध्वनि

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – भारती वंदना, ध्वनि

सुमित्रानंदन पंत – द्रुत झरो, चांदनी

महादेवी वर्मा – यह मंदिर का दीप, सब आँखों के

GE-Paper-II पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य

अभिव्यंजनावाद

स्वच्छंदतावाद

अस्तित्ववाद

मनोविश्लेषणवाद

मार्क्सवाद

आधुनिकतावाद

कल्पना, बिंब, फैंटेसी

मिथक और प्रतीक।

AECC-2 हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण (MIL)

हिंदी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, किया एवं अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण।

सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्त्व।

सम्प्रेषण के प्रकार।

साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन।

साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्त्व।
बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।

2nd Semester

DSC-CC 203 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- आधुनिक काल : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
  हिंदी नवजागरण
  भारतेन्दु युग
  द्विवेदी युग
  छायावाद
  प्रगतिवाद
  प्रयोगवाद
  नयी कविता
  समकालीन कविता

- हिंदी गद्य का विकास :
  स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध)
  स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, रेखाचित्र, आलोचना, एकांकी, आत्मकथा)

DSC-CC 204 आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

भारतेन्दु – नये जमाने की मुकरी, चूरनवाले का गीत
अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' – प्रियप्रवास (अंतिम सर्ग)
मैथिलीशरण गुप्त – यशोधरा – प्रथम खंड संपूर्ण (छंद सं.–1–9)